



प. बंगल में
मूस्खलन-बाढ़
से मरने वालों की
संख्या 28 हुई,
बचाव कार्य जारी-12



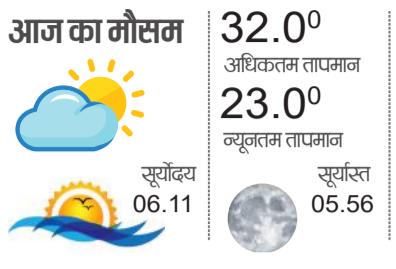
देश के
सेवा क्षेत्र की
वृद्धि दर
मासिक आधार
पर घटी-12



प्रांत : प्रधानमंत्री
लोकार्ने ने
मरीजों भर
से कम समय में
दिया इस्तीफा-13



एकदिवसीय महिला
क्रिकेट वर्ल्ड कप
में दृश्यांग अभीका
ने न्यूजीलैंड को 6
विकेट से हराया-14



आरिवन शुक्रवार पक्ष पूर्णिमा 09:17 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत् 2082

सोना प्रति 10 ग्राम 1.23 लाख के नए बिहार चुनाव : 6 और 11 नवंबर को वोटिंग, 14 को परिणाम शिखर पर, चांदी में 7,400 का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

गधीर्य राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतें 2,700 रुपये की छलांग लगाते हुए 1,23,300 रुपये के नए उच्चस्तर पर पहुंच गई। यह उच्चल विदेशी बाजारों में सुरक्षित निवेश की मांग और रुपये में कमज़ोरी के कारण आया।

अखिल भारतीय सर्वांग संघ ने बताया कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना उच्चलकर 1,23,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इस तरह इसके भाव में एक ही कारोबारी सत्र में 2,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की बड़ी तेजी दर्ज की गई। चांदी की कीमतों में भी जाहरार बढ़तीरी दर्ज की गई। यह 7,400 रुपये परहुंच गई।



● चांदी
1,57,400
रुपये प्रति
किलो (सभी
करों सहित) के
नए उच्चस्तर
पर

रुपये प्रति किलो (सभी करों सहित) के नए उच्च स्तर पर पहुंच गई। शुक्रवार को चांदी की कीमत 1,50,000 रुपये प्रति किलो थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना दो प्रतिशत बढ़कर 3,949.58 डॉलर प्रति और सप्त वर्षों में पहुंच गया। वहीं चांदी एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 48.75 डॉलर प्रति और सप्त वर्षों पर पहुंच गई।

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आगामी 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतदण्ड 14 नवंबर होगा। मूस्ख निवाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले चरण में 121 व दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान होगा। विधानसभा की कुल 243 सीट हैं।

मूस्ख निवाचन आयुक्त ने यह भी बताया कि चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर को होगी, 18 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर को होगी, 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 23 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं।



● दो चरणों में होगा विधानसभा चुनाव पहले चरण में 121 और दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान

सात राज्यों की 8 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

सीईसी ज्ञानेश ने घोषणा की कि जम्मू कशीर, औडिशा, झारखण्ड, मिजोरम, पंजाब, तेलंगाना और राजस्थान की आठ विधानसभा सीट के लिए 11 नवंबर को उपचुनाव कराए जायेंगे तथा मतदण्ड 14 नवंबर को होगे। झारखण्ड की वाचिला विस सीट रामदास सोरेन के निधन के कारण रिकॉर्ड हो गयी थी। पंजाब की तरनतारन सीट कशीर सिंह सोहल के निधन के बाद खाली हो गई। जम्मू कशीर में दो विस क्षेत्र - बडगाम और नारोटा - अक्टूबर 2024 से रिकॉर्ड हैं। बडगाम सीट 2024 के विस चुनावों के तुरंत बाद रिकॉर्ड हो गई थी, जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गंदरखल सीट को अपने पास रखने का फैसला किया था। यह सीट 21 अक्टूबर, 2024 को रिकॉर्ड है। राजस्थान के अंत में उपचुनाव घमकी दिए जाने के एक मामले में भाजपा विधायक कंवरलल को दोपी ठहराए जाने के बाद आवश्यक हो गया।

आग्रह किया था, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं की भाजीदारी सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि बड़ी संख्या में राज्य के बाहर काम करने वाले लोग उस दौरान त्योहारों के लिए घर लौटते हैं। राज्य में वर्ष 2020 के चुनाव कोटिंड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में तीन चरणों में हुए थे।

कुमार ने एसआईआर की प्रियकाया का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि किसी का नाम छूट गया है, तो नामांकन की तिथि से 10 दिन पहले तक उपचुनाव घमकी दिए जाने के एक मामले में भाजपा विधायक कंवरलल को दोपी ठहराए जाने के बाद आवश्यक हो गया।

कुमार ने कहा, इस बार विहार विधानसभा चुनाव न केवल मतदाताओं के लिए बहुत ही सुगम और सरल होगे, न केवल कानून व्यवस्था पर पूर्ण निगरानी रखी जाएगी, बल्कि पूर्ण पारदर्शी तरीके से होने वाले ये चुनाव सभीसे अच्छे चुनाव परिलक्षित हों, ऐसी आयोग की मंसूबा है।

सनातन धर्म की शरण में ही शांति और सौहार्द : योगी

सीएम ने काशी से दिया सनातन संस्कृति व स्वच्छ भारत से सशक्त समाज का संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

सनातन धर्म की शरण में ही शांति और सौहार्द : योगी



वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार। मूस्खमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को काशी में दो अलग-अलग कार्यक्रमों में सनातन संस्कृति, स्वच्छता और सामाजिक सरकारसता का मजबूत संदेश दिया। कहा कि शांति व सौहार्द का मार्ग प्रशस्त करना है तो सबको सनातन धर्म की शरण में आना पड़ेगा। संस्कृत के बिना कार्यक्रम शुरू करने जा रही है।

वहीं, स्वच्छता मित्र समाज समारोह में कहा कि कोई भी सफाईकर्मी का शोषण नहीं कर पाएगा, जल्द ही उनके खाते में सीधे 16 से 20 हजार रुपये पहुंचेंगे। योगी ने श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में लैपटॉप और सिलग यूज प्लारिटक से बैरे और अपने घर की गद्दी सँडक पर नफेर।

को गुड़-फल खिलाकर गोसेवा की। विशिष्ट छात्रवृत्ति, आवास व भोजन योगी ने कहा कि आने वाले समय भूता और शोध अनुदान की व्यवस्था

में संस्कृत के विद्यार्थियों के लिए की जाएगी।

को गुड़-फल खिलाकर गोसेवा की। विशिष्ट छात्रवृत्ति, आवास व भोजन योगी ने कहा कि आने वाले समय भूता और शोध अनुदान की व्यवस्था

में संस्कृत के विद्यार्थियों के लिए की जाएगी।

समाज को तोड़ना के काम सपा-कांग्रेस का

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का काम समाज को जोड़ा है, जबकि सपा कांग्रेस का काम तोड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी रेक्टर ने 41वें से 17वें स्थान के बाद रुद्धि की तिथि 20 अक्टूबर को जारी की जाएगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मर्याद्रिश्म में छात्रों को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

वाराणसी के श्री अनन्पूर्णा ऋ

न्यूज ब्रीफ

महिला के फोटो किये वायरल, रिपोर्ट दर्ज

मुरादाबाद, अमृत विचार : थाना मझोल क्षेत्र के दक्षिण विष्णुपुर लाइनपर निवासी महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसने खुप मैं 25 जून को कौशल शर्मा निवासी गांव सेदलीपुर थाना छालें समेत अन्य लोगों के खिलाफ अपर्टमेंट दर्ज की थी, जो फिलहाल विचाराधीन है। आरोपी कौशल शर्मा के पास उसके कुछ फोटो थे, जिन्हें उसने खोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उसकी ओर बेटी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट की। मना बताया तो गांग-गांज करते हुए जान से मरने की धमकी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक रिवेट कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जमीन को कब्जामुक्त कराने के लिए प्रदर्शन

मुरादाबाद, अमृत विचार : अपना दल कमेंटरी कार्यवाहीओं से समावर को मंडल अध्यक्ष डॉ. रमेश्वर दयाल तुरेहा के नेतृत्व में कमिशनर कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। मायानगर गृह निर्माण सहकारी समिति की गाडा संस्था 1998 की 1580 ग्रामपाली जमीन को एक वित्ती से कब्जामुक्त कराने और महावीर की गाडा संस्था 2677/1 रब्बा 4620 ग्रामपाली जमीन पर कंजे की कौशिशों के खिलाफ कार्रवाई की माग की। आरोप लगाया कि आरोपी अधिकारियों से मिलीमत कर जानकारी नहीं दी। यानि जमीन हडपान चाहता है। प्रदर्शकारियों ने खड़ा किया कि विधि तीन दिन में कार्रवाई ही होती तो पिछे धरना किया जाएगा। रामातास सापर, छत्त्रपाल सापर, चमन सापर, धैमेंद कश्य, सरोज देवी, दिवदती कश्य, राजबाला कश्यप व अंजय सैनी शामिल रहे।

शराब को पैसे न देने पर देवर ने भाभी को पीटा

मुरादाबाद, अमृत विचार : सरकारी निवासी क्षेत्र के कंजों की सारय जाटव बसी निवासी विमलेश ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि देवर भूरे ने उनसे शराब के लिए ऐसे मारी पीड़िता के अनुसार उन्हें ऐसे देंगे तो भूरे भड़क गया और गांगी गलवान करने लगा। विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दिया। आरोपी ने कियी नुकीली बीज से वार किया, जो पीड़ित के गले और हाथ पर लगा। पीड़ित के खून निकलने लगा तो आरोपी जान से मारने की धमकी दी तो भूरे भड़क गया। इसके पाचात उपस्थित जनों ने भावान वाल्मीकी मूल मंत्र एवं योगीमा, नितनेम का पाठ कर वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. कै. के. महाविद्यालय चंद्रभान यादव ने वाल्मीकी रामायण के श्लोकों के अर्थ, तथा सामाजिक-सांस्कृतिक एवं आधार विनेन्द्रपाल सिंह किया।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

हिंदू कॉलेज में सीट लॉक को लेकर अफरा-तफरी

छात्र-छात्राएं परेशान, नेटवर्क की धीमी गति व सिस्टम की कमी से प्रपत्र अपलोड करने में लग रहा काफी समय

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गुरु जम्बेश्वर विविद्यालय से संबद्ध हिंदू महाविद्यालय में एमएससी (भूगोल) समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों की सीट लॉक की प्रक्रिया को लेकर स्थिति बिगड़ गई। सबसे से ही छात्र-छात्राएं कालेज परिसर में कतार लगाए खड़े रहे, लेकिन सिस्टम की कमी और नेटवर्क की गति धीमी व कनेक्टिविटी की खारबी के चलते काम एक हजार से अधिक प्रथमांक पत्र लिए छात्र अंतिम के तिथि में शाम तक अपनी सीट लॉक करने के लाइन में खड़े छात्र तिथि बढ़ने की दुआ करते दिखाई पड़े।

सुबह 8 बजे से ही सभी विभागों के बाहर सैकड़ों अपर्याप्त जुटे रहे, लेकिन प्रत्येक विद्यार्थी का डेटा अपलोड करने में कम काम आधा घंटा लगा रहा। जिसके बाद नेटवर्क के दो प्रोफेसर ने अपनी तिथि तक नेटवर्क भग जाते हैं आज अंतिम तिथि और दोपहर के दो घंटे तक नेटवर्क भग जाते हैं। जिसके बाद बड़ी मुश्किल से सही काम नहीं कर रही है परन्तु नई सीट लॉक हो पाएगी यानी।



हिंदू कॉलेज अर्थशास्त्र विभाग में सीट लॉक करने के लिए मौजूद छात्र-छात्राएं।

छात्र दिन से रोज सुबह आती है और जब तक मेरा नेटवर्क आता है जब तक नेटवर्क भग जाते हैं आज अंतिम तिथि और दोपहर के दो घंटे ही अपनी तक नेटवर्क करने का काम कर रहे हैं। अपनी तिथि तक नेटवर्क भग कर रहा शास्त्र विभाग में।

भूगोल विभाग के शिक्षक दूर पर गए हैं। विभाग में ताता पड़ा अर्थशास्त्र विभाग की नियोजित विभागीय शिक्षकों की बात कर रहा शास्त्र विभाग की लाइन के लिए विभाग दूर पर गए हैं। छात्रों का कहना है कि कॉलेज प्रशासन की तरफ से कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है।

मूरुकन, छात्र

कॉलेज में व्यवस्थाओं की कमी पर विश्वविद्यालय का भी सख्त रुख समने आया है। गुरु जम्बेश्वर विवि के कूलपति ने कहा कि समर्थ पोर्टल को दोष देना उचित नहीं है। पोर्टल परी तरह सक्रिय है और केवल हिंदू महाविद्यालय की ओर से ही परेशानी

समने आई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक कॉलेज की विद्यार्थी संख्या वृद्धि करने से सही काम कर रहा है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अंगीर संकट का कारण।

रुद्र कुमार छात्र

कॉलेज में व्यवस्थाओं की कमी पर विश्वविद्यालय का भी सख्त रुख समने आया है। गुरु जम्बेश्वर विवि के कूलपति ने कहा कि अनुसार उचित नहीं है। पोर्टल टाइम परी तरह सक्रिय है और केवल हिंदू महाविद्यालय की ओर से ही परेशानी

समने आई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक कॉलेज की विद्यार्थी संख्या वृद्धि करने से सही काम कर रहा है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि हजारों छात्रों की सीट लॉक होने से रुकी है। छात्रों का कहना है कि यदि यह समस्या यूं ही बनी रही, तो वे अपनी सीटें गंवा सकते हैं, जो उनके वजह से सीट लॉकिंग की अंतिम तिथि तक बढ़ाने पर फिलहाल कोई

</



कोई भी मार्ग छोड़ा जा सकता है, बदला जा सकता है। पथ-भ्रष्ट होना कुछ नहीं होता, अगर लक्ष्य-भ्रष्ट न हुए।

-अज्ञेय, साहित्यकार

जिम्मेदारियों का स्वल्पन

दार्जिलिंग की आपदा दर्दनाक और दुखद है, लेकिन यह पहली बार नहीं है। यह त्रासदी अब लाग्याग मन्यमित सी हो चली है। दस साल पहले दार्जिलिंग जिले के दार्जिलिंग, कालिमोंगे और कुसिंयांग उपखंडों में भूखलन की करीब 25 घटनाएं हुई थीं, जिनमें सैकड़ों घर तबाह हुए थे। बीते वर्ष अक्टूबर के पहले सप्ताह में भी भयंकर भूखलन ने तबाही मचाई थी। प्रधानमंत्री ने स्थिति पर गढ़री चिंता व्यक्त करते हुए हरसंभव सहायता की प्रतीक्षा दी है। प्रश्न यह है कि आखिर यह सिलसिला कब तक जारी रहेगा? दार्जिलिंग के लोगों को इससे निजात दिलाने की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? तकनीक, विज्ञान और विकास के इस दौर में यह बहाना अब स्वीकार्य नहीं कि 'कुदरत के कहां को कौन रोक सकता है'।

सच है कि दार्जिलिंग हिमालय की संवेदनशील पर्वतीय शृंखला में स्थित है, जहां भूगर्भीय अस्थिरता पहले से ही मौजूद है- यह सबको पता है, लेकिन बिना भूगर्भीय परीक्षण के ढलानों पर होटल, घर और सड़कों का निर्माण, मिट्टी को मजबूत करने वाले वर्नों की अंधाधुंध कटाई, भारी बारिश के दौरान जल निकासी की कोई ठोस व्यवस्था न होना और पर्यटन से कमाई की होड़ में पर्यावरणीय संतुलन को बिगाड़ने की मानवीय लापरवाही- इन सबने मिलकर इस खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। इन तर्थों से भी कोई अनजान नहीं है, पर समाधान की जिम्मेदारी कोई स्थानीय राजनीति को जिम्मेदार ठिकाना है, कोई ममता बन्जी को, कुछ विषय को दोष देने हैं, तो कुछ गोरखालैंड टीरोरियल एडमिनिस्ट्रेशन यानी जीटीए की अकर्मयता को। वहीं जीटीए दोहरे प्रयोग का हवाला देती है। साफ है कि राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी और संस्थागत टकराव ने दार्जिलिंग को एक 'स्थानीय आपदा क्षेत्र' बना दिया है।

अब समय है दोपारेपन छोड़कर ठोस कदम उठाने का। आवश्यक है कि राज्य में एक एकीकृत आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बने, जो स्वतंत्र और विशेषज्ञ-आधारित निकाय हो तथा जीटीए और राज्य सरकार के बीच समन्वय स्थापित करे। हर निर्माण से पहले भूगर्भीय संरक्षण और वैज्ञानिक परीक्षण अनिवार्य हो तथा ढलानों पर निर्माण पूरी तरह वर्जित किया जाए। स्थानीय समुदायों की भागीदारी से बनीकरण और पर्यावरण-संरक्षण अधियायों का पूरे क्षेत्र में जो-जो से शुरू किया जाए। बरसात को पानी को नियंत्रित करने के लिए आधारिक डेंजर सिस्टम विकसित हो और स्थानीय जल निकासी प्रणाली में सुधार किया जाए। स्कूलों, पंचायतों और पर्यटन केंद्रों में आपदा शिक्षा और प्रशिक्षण देकर स्थानीय जगत का बढ़ावा दिया जाए। पर्यटन नीति में पर्यावरणीय संतुलन को भी प्रमुखता दी जानी चाहिए और नियमों का कड़ाई से पालन हो। दार्जिलिंग की प्राकृतिक सुंदरता पर अब आपदा का ग्रहण लग चुका है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि प्रशासनिक और राजनीतिक विफलता का प्रतीक भी है। जब तक राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीवन और प्रकृति की रक्षा की ओर नहीं मुड़ती, तब तक इस सुंदर पर्यावरणीय क्षेत्र की त्रासदियां यूं ही दोहराई जाती रहेंगी।

प्रसंगवदा

उल्टा नाम जपत जग जाना वाल्मीकि भए ब्रह्म समाना

उल्टा नाम जपत जग जाना, वाल्मीकि भए ब्रह्म समाना। वाल्मीकि जी राम नाम का उच्चारण नहीं कर पाते थे। तब नारद जी ने विचार करके उनसे मरा-मरा जपने के लिए कहा और मरा रटने ही यही राम हो गया। निरंतर जाप करते हुए वाल्मीकि जी त्रैष्वाल्मीकि बन गए। विश्व के सर्वाधिक प्रसिद्ध धार्मिक ग्रंथों में सिमौर रामायण, जिसे आदि रामायण भी कहा जाता है और जिसमें भगवान श्रीराम के पावन एवं जनकल्पनाकारी चरित्र का वर्णन है, के रचयिता महर्षि वाल्मीकि संसार के आदि कवि हैं। उनके द्वारा रामायण एक ऐसा महाकाव्य है, जो हमें प्रभु श्रीराम के आदर्श और पावन जीवन के निकट लाता है। उनकी स्तरनिष्ठा, पृथि भवित्व और भ्रात ऐप्रेम, कर्तव्यपालन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध करता है। वाल्मीकि के जीवन चरित्र को लेकर समाज व साहित्य में कई तरह की भ्रातीयां प्रचलित हैं।

वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण के लिए वाल्मीकि नाम के जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण के लिए वाल्मीकि नाम के जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रवेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि विवाहित वरुण अथवा प्रतेष्ठा नाम-अपिनशमां और रत्नाकर थे। समाज में एक विवरदायित्व की यह भी है कि वाल्मीकिया में त्वत्कार उनके जीवन के लिए वाल्मीकि को प्रतीक कहा जाता है। वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वर्य को प्रवेता का पुत्र कहा है। मनु सृष्टि में प्रवेता क

दियों से शिवभक्ति को समर्पित भगवान महादेव की अलौकिक कृपा पाने के लिए पौराणिक जागेश्वर धाम का आध्यात्मिक जगत में अपना विशिष्ट महत्व है। समुद्रतल से करीब 6200 फीट की ऊंचाई पर कुमाऊं मंडल के अल्पोड़ा जिले में स्थित 12 ज्योतिलिंगों में से एक प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह पावन धाम आस्था का विशिष्ट केंद्र है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता करीब 2500 वर्ष पुराना 250 मंदिरों का समूह है, जिनमें एक ही स्थान पर छोटे-बड़े 224 मंदिर हैं। धार्मिक लिहाज से महत्वपूर्ण अल्पोड़ा जिले में कई पौराणिक और पैतीहासिक मंदिर हैं। इसमें जागेश्वर धाम विश्व के प्रसिद्ध मंदिरों में सामिल है। जागेश्वर धाम के पुजारी हरिमोहन भट्ट पुराणों के हवाले से बताते हैं कि यहां भगवान शिव और सप्त ऋषियों ने तपस्या की थी। इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग को लेकर मान्यता है कि आदि शंकरवार्य ने इसकी प्राण प्रतिष्ठा की थी। जागेश्वर मंदिरों के समूह व ज्योतिलिंगों आदि के लिए जागेश्वर धाम का नाम इतिहास में दर्ज है। शिव पुराण, लिंग पुराण और स्कंद पुराण आदि पौराणिक कथाओं में भी मंदिर का उल्लेख है। मंदिर में शिलालेख, नकाशी और मूर्तियों का अनुपम खजाना है। पवित्र जाटगंगा नदी की धाटी में रित्यु नंद वास्तुकला और इतिहास के लिहाज से भी कई पौराणिक स्थान हैं। भगवान शिव के 12 ज्योतिलिंगों में से एक ज्योतिलिंग होने से इसका महत्व और बढ़ जाता है।

प्रस्तुति - कमलेश कनवाल



2500 वर्ष पुराना है कुमाऊं मंडल में मंदिरों का यह समूह

250 मंदिर हैं यहां, जिनमें एक ही स्थान पर छोटे-बड़े 224 मंदिर

6200 फीट की ऊंचाई पर स्थित समुद्रतल से यह धाम

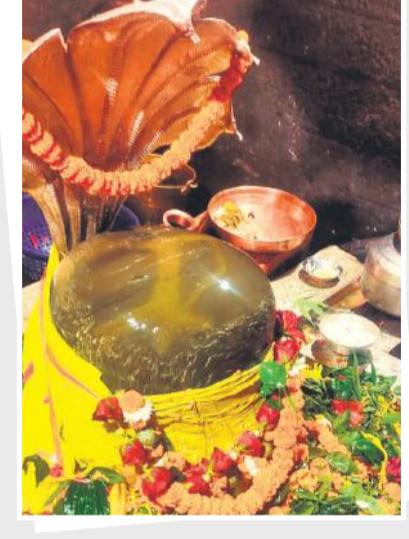
यह भी जानें

- सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन काठगोदाम (हल्द्वानी) है। यहां से सड़क मार्ग से जागेश्वर धाम की दूरी करीब 120-125 किलोमीटर है।
- सबसे नजदीकी हवाई अड्डा पंतप्रधार एयरपोर्ट है। यहां से सड़क मार्ग से जागेश्वर धाम की दूरी करीब 150 किमी है।
- अल्पोड़ा जिला मुख्यालय से जागेश्वर धाम की दूरी करीब 35 किलोमीटर है।
- मौसम के लिहाज से बरसात का क्रम थमने के बाद सितंबर से नवंबर तक यहां भी सम मुहावरा रहता है।



श्रद्धालुओं की मनोकामना होती है पूरी

जागेश्वर धाम में मुख्य तौर पर शिव, विष्णु, शक्ति और सूर्य देव की पूजा होती है। दंडेश्वर मंदिर, चंडी मंदिर, जागेश्वर मंदिर, कुबेर मंदिर, मृत्युजय मंदिर, नंदा देवी या नौ दुर्गा, नववह मंदिर और सूर्य मंदिर यहां के प्रमुख मंदिर हैं। पुष्टि माता और भैरव देव की भी पूजा होती है। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की हर मनोकामना एं पूरी होती है।



पावन जागेश्वर धाम यहां मिलती है महादेव की अलौकिक कृपा



हरिमोहन भट्ट
पुजारी जागेश्वर धाम

शुद्ध मन और पवित्र हृदय से ही आएं यहां

पुजारी भट्ट कहते हैं कि जागेश्वर धाम आकर भगवान शिव की कृपा पाना चाहते हैं तो मन के भाव शुद्ध और हृदय पवित्र होना चाहिए। शिव तो बड़े दयालु हैं, लेकिन आप किसी का अनिष्ट करने की कामना लेकर यहां आते हैं तो वह कभी पूरी नहीं होते। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की हर मनोकामना एं पूरी होती है।

भारतीय संस्कृति में दांपत्य जीवन का पावन विधान

मार्तीय संस्कृति में विवाह को संस्कार माना गया है। यह दो आत्माओं एकाकार हो जाता है। जिस प्रकार हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन अपना अस्तित्व खोकर जलस्तुप बन जाते हैं, उसी प्रकार पति-पत्नी अपना अस्तित्व खोकर दंपत्य कहलाते हैं। भारतीय संस्कृति में पति-पत्नी का संबंध काया एवं छाया की भाँति है। जिस परिवार में पति-पत्नी के विचार मिलते हैं, वह परिवार स्वर्ग होता है। पति-पत्नी की सरिता बहती है। पति-पत्नी के बीच रन्धन-सम्मान, विचार-विनिमय, सहायुक्ति सुखी दांपत्य के आधार हैं। यदि दोनों के बीच छिपाव-दुराव, प्रपंच एवं अंहाकार उत्पन्न हो जाए तो वह परिवार नरक-तुल्य हो जाता है। पति व पत्नी एक दूसरे के प्रतियोगी नहीं, बल्कि सहयोगी एवं पूरक होते हैं। भारतीय संस्कृति में गठबंधन के बाद पति के लिए पत्नी को छोड़कर शिव की सारी स्त्रियां मां व बहन बन जाती हैं। उसी प्रकार पत्नी के लिए सारे पुरुष भाई और पिता तुल्य बन जाते हैं।



आधुनिक युग में पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव भारतीय संस्कृति पर पड़ा है। परिवार यह हुआ कि पति व पत्नी की इच्छाएं अलग-अलग हो गईं। जब भी पति एवं पत्नी के विचार में मतभिन्नता होती है तो परिवारिक जीवन की नींव कमज़ोर जो जाएगी। आजकल लोग शौकिक सुख-सुविधाओं को अधिक प्रमुखता देते हैं और वे सुविधाएं मग्नतुर्गा की भाँति कभी पूरी नहीं होती। पति-पत्नी का परिवार संबंध शौकिक सुखों पर आधारित हो गया है। रसना और वासना संबंधी सुख प्राप्त करना मानो युगधर्म बन गया है, जिसके कारण परिवार रूपी

अध्यात्म

शरीर में समाप्त हुआ पूर्णजुंग को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अथवा अपनी अनंत दिव्यात्मा का एक अति सुखम अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर के अन्य अंशों के साथ ही शारीर प्रारंभ होती है। शरीर के जन्म के साथ ही ऊर्जा के सम्मुखीन होती है। इस अलौकिक यात्रा के समाप्त होने के बाद यह आत्मा अनंत ऊर्जा के साथ ही ऊर्जा के सम्मुखीन होती है। अनंत को अंजात का पर्याय माना जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का अदि व अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है। विशेष बात यह है कि भौतिक यात्रा के स्थान अर्थात् ऊर्जा के सम्मुखीन होता है। अन्यायी यात्रा के अदि व अंत से स्थान्या अपरिवर्तित होता है। अन्यायी यात्रा के बाद यह अर्थात् ऊर्जा को अनंत ऊर्जा जिसे परमात्मा के अनंत ऊर्जा के सम्मुखीन होता है। अन्यायी यात्रा के बाद यह अर्थात् ऊर्जा को अनंत ऊर्जा के सम्मुखीन होता है।

अनंत यात्रा

चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापूर्ण अग्रणीत भौतिक यात्रा में सहायता की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्यात्मा को जारी रखता है। अर्जाएँ आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूरी होती है, जिसका उपरोक्त करवा वीथ पूजन अनंत को परिवारिक यात्रा भी संबंधित होता है। अनंत को अंजात का पर्याय माना जा सकता है।

प्रश्न यह उठता है कि इस अनंत गति को अनवरत जारी रखने के लिए आवश्यक बल किस प्रकार संपादित होता है। संभवतः यह अपनी अंतर्कालीन ऊर्जा के साथ ही बहुत यही बल ऊर्जा होता है। अनंत को अंजात का पर्याय माना जा सकता है।

सप्ताह के प्रमुख व्रत

10 अक्टूबर- करवा चौथ, 13 अक्टूबर- अहोई अष्टमी

करवा चौथ

उत्तर भारत में प्रचलित पूर्णिमात कैलेण्डर के अनुसार करवा वीथ पूजा, कर्तिक माह की सकाई चतुर्थी पर मनाया जाता है। धर्म-सिद्ध्य-निर्माण-सिद्ध्य तथा व्रतराज जैसे धर्म ग्रंथों में करवा वीथ को करक चतुर्थी के रूप में उल्लिखित किया गया है। करक अथवा करवा मिट्टी से निर्मित एक पात्र होते हैं और वे सुविधाएं मग्नतुर्गा की भाँति कभी पूरी नहीं होती। पति-पत्नी का परिवार संबंध शौकिक सुखों पर आधारित हो गया है। रसना और वासना संबंधी सुख प्राप्त करना मानो युगधर्म बन गया है, जिसके कारण परिवार रूपी

देवी-देवता

देवी पार्वती करवा वीथ व्रत की मुख्य आराध्य है। देवी पार्वती के अतिरिक्त उनके कुटुम्ब के अन्य सदस्यों को भी पूजा जाता है, जिनमें उनके पति भगवान शिव तथा उनके पुत्र भगवान कर्तिकेय पति भगवान गणेश जैसे कार्तिक होता है, जो भगवान कर्तिकी हैं। किन्तु इसका अनुसरण करना कठिन होता है, क्योंकि अहोई अष्टमी की रात्रि में वरदोदय विलंब से होता है। अहोई अष्टमी का दिन करवा वीथ के बाद दिन एवं वार्षिक यज्ञों की रात्रि में वरदोदय का दिन होता है।

देवी पार्वती

वीथ माता (देवी वीथ), करवा वीथ तिथि एवं समय पूर्णिमात कैलेण्डर के अनुसार - कर्तिक माह (आठवां वद्र माह) की कुण्डा पक्ष की चतुर्थी तिथि (चतुर्थ दिवस) का अवधि हिन्दू कैलेण्डर के अनुसार - अधिवर्षन माह (सातवां वद्र माह) के कुण्डा पक्ष की चतुर्थी तिथि (चतुर्थ दिवस)।

अमात हिन्दू कैलेण्डर के अनुसार - अधिवर्षन माह (सातवां वद्र माह) के कुण्डा पक्ष की चतुर्थी तिथि (चतुर्थ दिवस)।

अहोई अष्टमी

अहोई अष्टमी के दिन माताये अपने पुत्रों की

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,790.12	25,077.65
बढ़त	582.95	183.40
प्रतिशत में	0.72	0.74

सोना 1,23,300	प्रति 10 ग्राम
चांदी 1,57,400	प्रति किलो

ओएनजीसी 8,110
करोड़ करेगी निवेश

हेंद्रवाद तेल एवं प्राकृतिक गैस नियम लिमिटेड (ओएनजीसी) आंप्रदेश में आठ पैमानों तक (उत्तराखण्ड लाइसेंस) लाइक में 172 कुओं से तेल एवं गैस के निकालने तथा तर्तुरी विकास के लिए 8,110 करोड़ रुपये का निवेश करने की तेत्यारी में है।

पर्यावरण, वन एवं जलालू परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत समिति ने नियंत्रित नियमों के लिए पर्यावरणीय संबंधी मंत्रीहरी देने की सिफारिश की थी।

विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने बैटक में कहा कि पर्यावरण जनन की अनुमति लागत 8,110 करोड़ की पूर्णीत लागत 12,200 करोड़ होगी और इसपीली पर्यावरण प्रबंधन योजना की पूर्णीत लागत 9,110 करोड़ होगी। उद्योग ने जन सुनाई में की गई प्रतिवेदितों के लिए 10,900 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की

ऋण वृद्धि 16.8% बढ़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बीआईएस ने गैर-प्रतिवर्ष

2025-26 की दूसरी तिमाही में 16.8% की

बढ़तीरी का 2.56 लाख करोड़ रुपये

की ऋण वृद्धि दर्दी है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र

ने सोमवार को शेर बाजार को बताया कि

30 सितंबर 2024 तक कुल अधिक 2.17

लाख करोड़ था। उसकी कुल जमा राशि

12.1% बढ़कर 3.0 लाख करोड़ हो गई,

जबकि 2024-25 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही की ओर मध्ये 2.76 लाख

करोड़ थी। बैंक का कुल करोड़ 14.2% बढ़कर 5.64 लाख करोड़ हो गया जो एक

साल पहले 4.94 लाख करोड़ था।

केनरा रोबेको एम्सी

का आईपीओ नौ को

नई दिल्ली। केनरा रोबेको एम्सी मैनेजमेंट

(आईपीओ) के लिए 253-266 रुपये प्रति

शेर का अधिकारी छोड़ पर मूल्यांकन 5,300

करोड़ आका गया है। कंपनी ने सोमवार को

बताया कि 1,326 करोड़ का आईपीओ नौ

अवधूर को जुलाई और 13 अक्टूबर को

सप्तम होना। बड़े एंकर) नियंत्रक अट

अवधूर को बोली लागा पाएं। पर्वतक

केनरा बैंक और ओरिजिनल कॉर्पोरेशन यूरोप

एनवी (पहले का नाम रोबेको ग्रुप एनवी)

कम्पनी 2.59 करोड़ शेर का तथा 2.39

करोड़ शेर के बोली। यह 4.98 करोड़ शेर

की विकी प्रेशर बोली पर आवंटित है जिसमें

कोई नया नियंत्रण घटक नहीं है।

खरीदारी से शेर बाजार में आई तेजी

आईटी एवं वित्तीय शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 583 अंक उछला, निफ्टी 25,000 के पार

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेर बाजारों में सोमवार को आईटी एवं वित्तीय शेरों में खरीदारी आने से लगातार तेजी से दिन तेजी हो रही है।

पर्यावरण, वन एवं जलालू परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत समिति ने नियंत्रित नियमों के लिए पर्यावरणीय संबंधी मंत्री देने की सिफारिश की थी।

विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने बैटक में

कहा कि पर्यावरण जनन की अनुमति लागत

8,110 करोड़ है। इसपीली पर्यावरण प्रबंधन

योजना की पूर्णीत लागत 12,200 करोड़

रुपये की है। आंप्रदेश ने जन सुनाई

में की गई प्रतिवेदितों के लिए 11 करोड़

रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की

ऋण वृद्धि 16.8% बढ़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ

महाराष्ट्र, बीआईएस ने गैर-प्रतिवर्ष

2025-26 की दूसरी तिमाही में 16.8% की

बढ़तीरी का 2.56 लाख करोड़ रुपये

की ऋण वृद्धि दर्दी है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र

ने सोमवार को शेर बाजार को बताया कि

30 सितंबर 2024 तक कुल अधिक 2.17

लाख करोड़ था। उसकी कुल जमा राशि

12.1% बढ़कर 3.0 लाख करोड़ हो गई,

जबकि 2024-25 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही की ओर मध्ये 2.76 लाख

करोड़ थी। इसपीली पर्यावरण प्रबंधन

योजना की पूर्णीत लागत 12,200 करोड़

रुपये की है। आंप्रदेश ने जन सुनाई

में की गई प्रतिवेदितों के लिए पर्यावरणीय

संबंधी मंत्री देने की सिफारिश की थी।

विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने बैटक में

कहा कि पर्यावरण जनन की अनुमति

लागत 8,110 करोड़ है। इसपीली पर्यावरण प्रबंधन

योजना की पूर्णीत लागत 9,110 करोड़ है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की

ऋण वृद्धि 16.8% बढ़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ

महाराष्ट्र, बीआईएस ने गैर-प्रतिवर्ष

2025-26 की दूसरी तिमाही में 16.8% की

बढ़तीरी का 2.56 लाख करोड़ रुपये

की ऋण वृद्धि दर्दी है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र

ने सोमवार को शेर बाजार को बताया कि

30 सितंबर 2024 तक कुल अधिक 2.17

लाख करोड़ था। उसकी कुल जमा राशि

12.1% बढ़कर 3.0 लाख करोड़ हो गई,

जबकि 2024-25 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही की ओर मध्ये 2.76 लाख

करोड़ थी। इसपीली पर्यावरण प्रबंधन

योजना की पूर्णीत लागत 12,200 करोड़

रुपये की है। आंप्रदेश ने जन सुनाई

में की गई प्रतिवेदितों के लिए पर्यावरणीय

संबंधी मंत्री देने की सिफारिश की थी।

विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने बैटक में

कहा कि पर्यावरण जनन की अनुमति

लागत 8,110 करोड़ है। इसपीली पर्यावरण प्रबंधन

योजना की पूर्णीत लागत 9,110 करोड़ है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की

ऋण वृद्धि 16.8% बढ़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ

महाराष्ट्र, बीआईएस ने गैर-प्रतिवर्ष

2025-26 की दूसरी तिमाही में 16.8% की

बढ़तीरी का 2.56 लाख करोड़ रुपये

की ऋण वृद्धि दर्दी है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र

